Dr. BRAJESH SHARAN YADAV

Paper - V ⇒ Understanding Disciplines and Subjects Date - 17.04.2020

UNIT - III

पाठ्यवस्तु विश्लेषण / अन्तर्वस्तु विश्लेषण

प्रस्तावना -

'समाज शिक्षा को जन्म देता है और शिक्षा समाज को' इस कथन का विवेचन करने से विदित होता है कि शिक्षा की प्रक्रिया द्वारा नये समाज को जन्म दिया जाता है। जैसा कि समाज द्वारा भावी समाज की कल्पना/ की जाती है। शिक्षा प्रक्रिया द्वारा नव युवकों में ऐसे गुणों का विकास किया जाता है जिन गुणों की अपेक्षा की जाती है। शिक्षा एक विकास की प्रक्रिया है जिसके द्वारा बालक का सम्पूर्ण विकास किया जाता है। इस विकास की प्रक्रिया में को सही दिशा प्रदान करने हेतु उचित व व्यवस्थित पाठ्यक्रम की आवश्यकता होती है। उचित व व्यवस्थित पाठ्यक्रम का निर्माण समाज की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा शास्त्रियों शास्त्रियों द्वारा किया जाता है ताकि समाज द्वारा निर्धारित शैक्षिक उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके। निर्धारित शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु आवश्यक है कि पाठ्यक्रम में सम्मलित की गई शिक्षण सामग्री का संगठन उचित तरीके से किया गया हो। शिक्षण सामग्री के उचित संगठन के लिए विषय वस्तु विश्लेषण या अन्तर्वस्तु विश्लेषण की प्रक्रिया अपनाई जाती है।

Scanned with CamSc

पाठ्यवस्तु-विश्लेषण (Content Analysis) :-

पाठ्य-वस्तु विश्लेषण में पाठ्य वस्तु का विश्लेषण एक निश्चित उद्देश्य के अनुसार किया जाता है। यह विश्लेषण प्रायः शैक्षिक या बौद्धिक प्रकृति का होता है। इस विश्लेषण का लक्ष्य पाठ्यवस्तु के बारे में सम्पूर्ण ज्ञान प्राप्त करना होता है। पाठ्यवस्तु के विश्लेषण का एक लक्ष्य शिक्षण-बिन्दुओं का निर्धारण करना भी होता है। शिक्षण बिन्दुओं के माध्यम से शिक्षक सरलता से अपनी पाठ्यवस्तु के निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त कर लेता है और साथ ही साथ शिक्षण बिन्दुओं का महत्व, संख्या आदि की भी जानकारी शिक्षक को प्राप्त हो जाती है जिसके माध्यम से उसे अपने शिक्षण को प्रभावशाली बनाने में सहायता मिलती है।

'डेवीज' महोदय के अनुसार- 'शिक्षण की पाठ्य-वस्तु का उसके अवयवों तथा तत्वों में विश्लेषण तर्कपूर्ण ढंग से किया जाता है और उसका संश्लेषण क्रमबद्ध रूप में तार्किक ढंग से किया जाता है।"

विषय-वस्तु विश्लेषण की प्रविधि एक वैज्ञानिक प्रविधि है क्योंकि यह एक क्रमबद्ध (Systematic), वस्तुनिष्ठ (objective) तथा परिमाणात्मक (Quantitative) प्रविधि है। क्रमबद्ध होने से तात्पर्य है कि इस प्रविधि में सामग्री के किस भाग को विश्लेषण में सम्मिलित किया जाय व किसे नहीं इसका

Scanned with CamSc

निर्णय कुछ परिभाषित नियमों के आधार पर किया जाता है वस्तुनिष्ठता से तात्पर्य है कि यदि विश्लेषणकर्ताओं में सामग्री के बारे में ~~परिणामों~~ भिन्नता होने पर भी परिणामों में भिन्नता उत्पन्न नहीं होती है। परिमाणात्मक होने से तात्पर्य है कि इस विधि के सहारे तथ्यों को आकड़ो में बदल दिया जाता है। हालाँकि सामग्रियों का गुणात्मक विश्लेषण भी किया जाता है।

मार्गन के अनुसार इस प्रविधि का प्रयोग पहले केवल व्यक्त विषय वस्तु जैसे शब्दार्थ, वाक्यांशों की बारम्बारता तक ही सीमित था परन्तु आजकल इसका प्रयोग उन शब्दार्थों एवं वाक्यांशो में अन्तर्निहित भावों, अर्थों, अभिप्रायों आदि के विश्लेषण में भी किया जाता है।

विषय वस्तु विश्लेषण के उद्देश्य - इसके निम्नलिखित उद्देश्य है।

i) वर्तमान दशाओं का वर्णन करना तथा उसकी व्याख्या करना।

ii) लेखक के प्रयासों, विश्वास, चिन्तन एवं लेखन शैली का पता लगाना।

iii) किसी घटना से सम्बन्धित संभावित कारकों की पहचान करना तथा उसकी व्याख्या करना।

iv) छात्रों के कार्यों में विभिन्न स्तर की त्रुटियों का विश्लेषण करना।

v) पाठ्य पुस्तकों की प्रस्तुति की कठिनाई स्तर की पहचान करना

vi) कई विषयों के तुलनात्मक महत्व का पता लगाना।

vii) गुणात्मक लिखित सामग्री को ऐसे आकड़ो में परिवर्तित करना, जिसमें उसका वैज्ञानिक विश्लेषण सरलता से हो सके।

Scanned with CamSc

viii) - आकड़ों को वस्तुनिष्ठता प्रदान करना ।

ix) - आकड़ो का मापन सरल बनाना ।

x) सामग्री के आधार पर सामान्यीकरण के अवसर प्रदान करना ।

Scanned with CamSc